बरेली | रविवार, 9 फरवरी 2025

अमर उजाला

PAGE NO : 09 MIDDLE

विजन और मिशन का फैसला करने के बाद न करें संशय : प्रो. जय प्रकाश

247 विद्यार्थियों को दी गई उपाधि, प्रशस्ति पत्र और पदक पाकर झूम उठे मेधावी

श्रीराम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित । संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

बरेली। फैसला लेने के बाद जब राजा को उस पर संशय हो तो उसमें सफलता नहीं मिल सकती है। ऐसे में आप विजन और मिशन का फैसला करने के बाद उसके प्रति संशय न करें। परिणाम से भयभीत न हों। खुद का मूल्यांकन करें।

यह जितना सटीक होगा, सफलता उतनी ही आसान होगी। यह बातें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विवि के कुलपति प्रो. जय प्रकाश पांडेय ने शनिवार को एसआरएमएस में आयोजित 24वें दीक्षांत समारोह में कहीं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें आपका योगदान महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने महाभारत में धृतराष्ट्र के एक प्रश्न का जिक्र करते हुए कहा कि हस्तिनापुर नरेश ने युद्ध आरंभ होने से पहले संजय से पूछा कि इस युद्ध में कौन जीतेगा?

इस प्रश्न में संशय, डर और पक्षपात जैसी तीन भावनाएं छिपी हैं। युद्ध का फैसला लेने के बाद जब राजा को अपने फैसले पर सवाल हों, संशय हो तो वहां पर सफलता मिल ही नहीं सकती।

इससे पहले दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि टाटा कंसल्टेंसी सर्विस लखनऊ के डिलीवरी सेंटर हेड अमिताभ तिवारी, मैकाफी इंक बेंगलुरु के मनीष कौशल, ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी देव मूर्ति, सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति, एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा आदि समारोह का शुभारंभ किया।

श्रीराम मूर्ति के 115 वें जन्म दिवस के अवसर पर श्रीराम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में शनिवार को 24 वां दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इसमें बीटेक, बीफार्मा, एमबीए, एमसीए के सत्र 2023- 24 में उत्तीर्ण 247 विद्यार्थियों को उपाधियां, प्रशस्ति पत्र व पदक दिए गए।

इसके साथ ही फीस माफी के चेक बांटे गए। सीईटी और सीईटीआर में सर्वाधिक अंक हासिल करने के लिए बीटेक के छात्र प्रियांक गुप्ता व दीक्षा पटेल को श्रीराम मूर्ति गोल्ड मेडल के साथ 51,000 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सीईटी की काजल पांडेय और सीईटीआर की अर्चना मिश्रा को ट्रॉफी के साथ विशेष पुरस्कार दिया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रभाकर गुप्ता ने महाविद्यालयों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष बीबीए, बीसीए, होटल मैनेजमेंट आदि नए कोर्स शुरू होने के साथ वैल्यू एडेड कोर्स होने लगे हैं।

इस वर्ष 18 पेटेंट भी कराए गए हैं। इस दौरान एसआरएमएस सीईटी के वाइस प्रिंसिपल डॉ. शैलेंद्र देवा, रुचि शाह, आशा मूर्ति, प्रो. श्यामल गुप्ता, उषा गुप्ता, डॉ. रजनी अग्रवाल, डॉ. आलोक खरे, डॉ. वंदना शर्मा व अन्य लोग मौजूद रहे।

पढ़ना और सीखना जिंदगी भर का काम : अमिताभ तिवारी

मुख्य अतिथि अमिताभ तिवारी ने विद्यार्थियों को डिजिटाइजेशन का फायदा उठाने की सलाह देकर स्टार्टअप स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। तकनीक में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। उसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। कहा कि बदलाव को स्वीकार करें, लेकिन अपनी जड़ों से जुड़े रहें।

समृद्ध करते रहे अपना हुनर : मनीष कौशल

विशिष्ट अतिथि मनीष कौशल ने 25 वर्ष पहले एसआरएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज में अपनी पढ़ाई को याद किया। उन्होंने अपने हुनर पर लगातार काम करने की सलाह दी। कहा कि आपका हुनर ही सफलता दिलाता है।